



**TEACHERS' RESKILLING CELL (TRC)
MJP ROHILKHAND UNIVERSITY
BAREILLY, U.P.**

One day National Webinar

On
**Higher Education Teachers' Roles and Responsibilities
in View of NEP 2020**

Date 02 July 2021

Time 04:00PM



Patron
Prof. K.P. Singh
*VC-MJPRU, Bareilly
Presidential Address*



Chief Guest
Prof. Mohammad Miyan
*Ex VC-MANUU, Hyderabad
Chief Speaker*

Organised by
Teachers' Reskilling Cell (TRC)



Prof. Nalini Srivastava, Co-ordinator-TRC
Organizing Secretary,
Dean – Faculty of Education & Allied Sciences



Prof. Santosh Arora
Professor
Faculty of Education & Allied Sciences



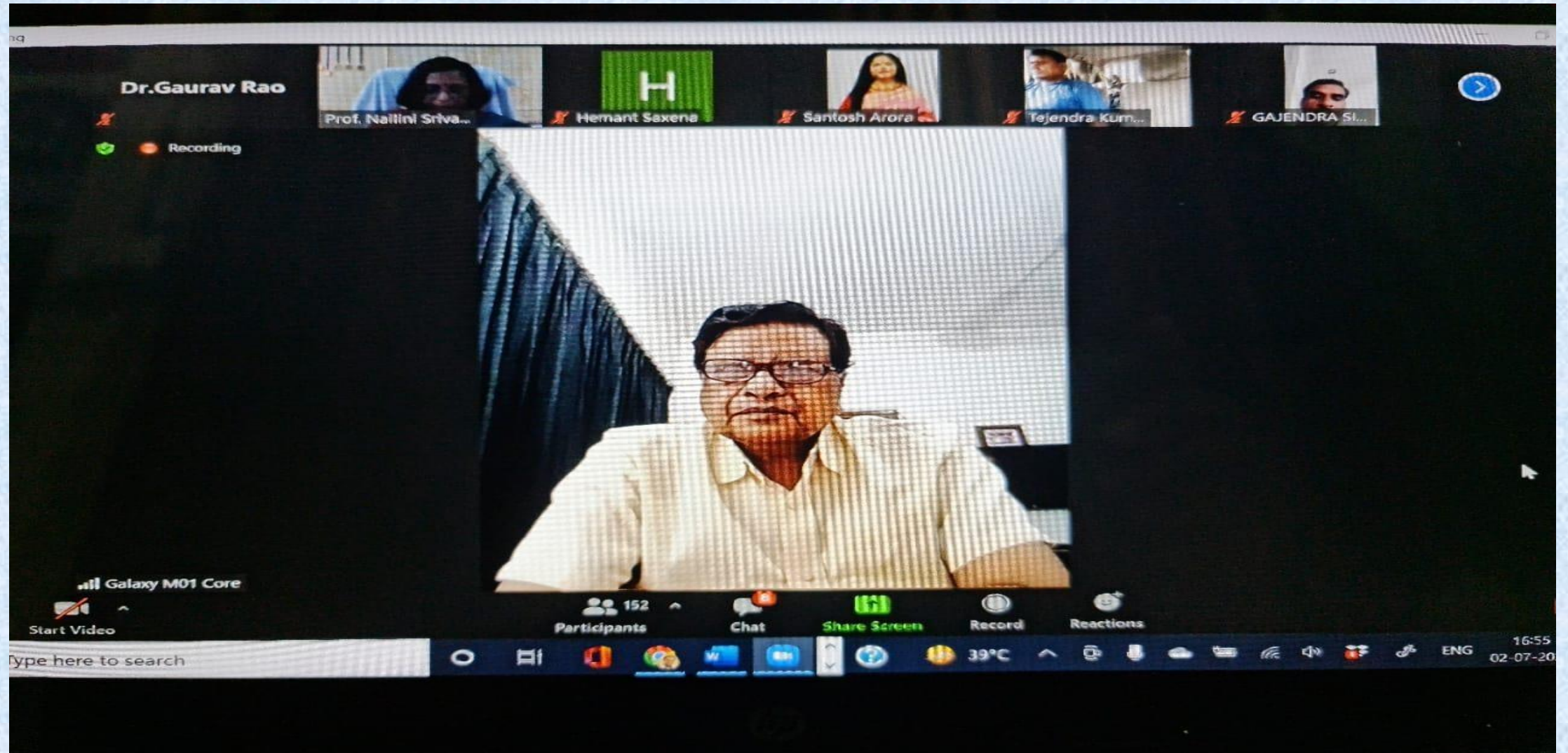
Dr. Tarun Rashtriya
Associate Professor
Faculty of Education & Allied Sciences

Join Zoom Meeting

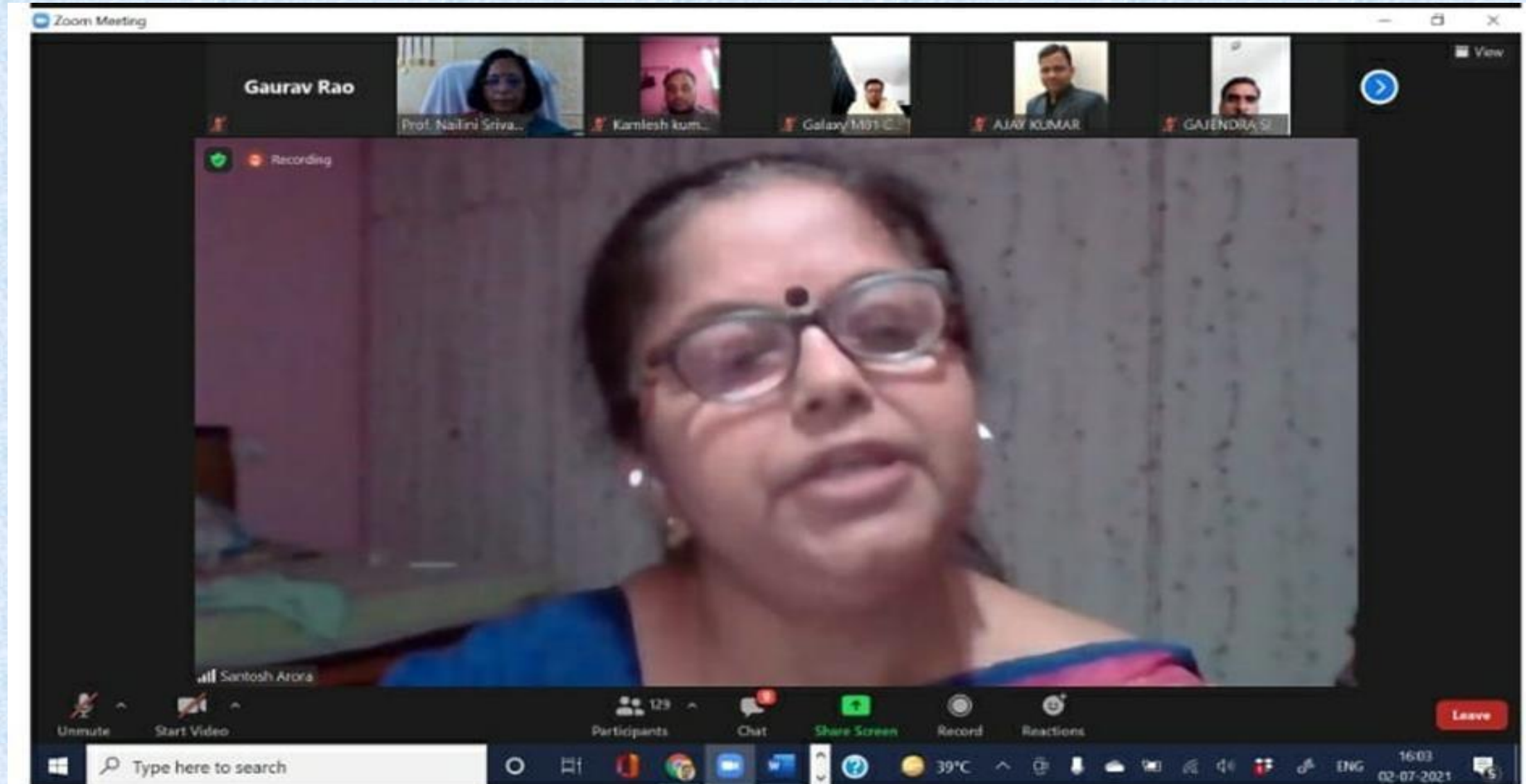
Prof. Nalini Srivastava (Organizing Secretary)

The screenshot displays a Zoom video conference interface. The main video feed shows Prof. Nalini Srivastava, a woman with dark hair and glasses, wearing a red top. In the background of her video, several medals are visible on a wall. Above the main feed, a horizontal bar displays five smaller video thumbnails of other participants: Dr. Gaurav Rao, Galaxy M01 Core, Hemant Saxena (represented by a green square with a white 'H'), Santosh Arora, Tejendra Küm..., and GAJENDRA SI... A blue arrow icon is on the far right of this bar. Below the main video feed, a toolbar contains icons for 'Start Video', 'Participants' (showing 152), 'Chat', 'Share Screen', 'Record', and 'Reactions'. At the bottom of the screen, a Windows taskbar is visible with a search bar, various application icons, a system tray showing the temperature as 39°C, and the date and time as 02-01.

Prof Mohammad Miyan (Chief Guest) Former Vice Chancellor ,
Mulana Azad National Urdu University, Hyderabad



Prof. Santosh Arora, (Member) Teacher Re-skilling Cell




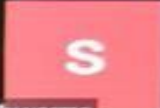


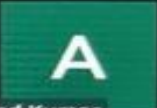

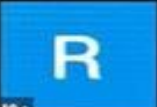




Participants of National Webinar

Meeting

Recording

Galaxy M01 Core is talking...

Vinita Rani	Dr neeti	 Sarvesh Kumar ...	Vipul agarwal	VINEET KUMAR...
 Dr. Jyoti Pandey	 Dr Sanjeev Tyagi	Saba	 shally verma	 Servesh Kumar ...
 AJAY KUMAR	Archna	 Arvind Kumar	ARVIND SINGH	Manish Kumar...
Atul Sharma	 Dhanendra Ku...	 Roly Kv	Noor Bano	Vimal kumar
 Dr. Jai pal singh...	 Krishna Sharma	Kailash Prakash...	Akanksha	KRAPAL SINGH

Unmute Start Video

Participants 151 Chat 10 Share Screen Record Reactions

Type here to search

39°C ENG 02-0

शिक्षकों का दायित्व केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं

अमृत विचार, बरेली

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीचर रीस्किलिंग सेल ने शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व विषय पर वेबिनार आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद मियां ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य उच्च शिक्षा संस्थान के शिक्षकों से क्या अपेक्षाएं यह भी समझाया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक को

आयोजन

- एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति पर किया राष्ट्रीय वेबिनार
- वक्ताओं ने उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व पर प्रकाश डाला

पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। छात्रों का सृजनात्मक विकास कैसे करना है तथा उनका मूल्यांकन कैसे होना चाहिए, यह भी उच्च शिक्षा के शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि शिक्षकों का दायित्व सिर्फ कक्षा में पढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। क्रियान्वयन की

एक ठोस रणनीति की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन बिना शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के संभव नहीं है तथा नई चुनौतियों के लिए शिक्षकों को तैयार रहना होगा। कार्यक्रम में सेल की समन्वयक और शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रो. नलिनी श्रीवास्तव ने टीचर्स रीस्किलिंग सेल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। शिक्षा विभाग की प्रो. संतोष अरोड़ा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा उसे पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिक्षकों ने समझा नई शिक्षा नीति में अपना दायित्व

गंभीर न्यूज संवाददाता बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के टीचर सेल द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के पी सिंह की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस वेबीनार का विषय था राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रोफेसर मोहम्मद मियां साहब थे।

प्रोफेसर मोहम्मद मियां ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य को समझाया तथा उच्च शिक्षा संस्थान के शिक्षकों से क्या अपेक्षाएं हैं यह भी

समझाया। एक शिक्षक को पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। छात्रों का सृजनात्मक विकास कैसे करना है तथा उनका मूल्यांकन कैसे होना चाहिए यह भी उच्च शिक्षा के शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

प्रोफेसर मियां ने बताया कि शिक्षकों का दायित्व सिर्फ कक्षा में पढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। क्रियान्वयन की एक ठोस रणनीति की जरूरत है तथा शिक्षकों की ही इसमें मुख्य भूमिका रहेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन बिना शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के संभव नहीं है, तथा नई चुनौतियों के लिए शिक्षकों को तैयार रहना होगा।

कार्यक्रम में सेल की कोऑर्डिनेटर तथा शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रोसेसर नलिनी श्रीवास्तव ने उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ने बताया कि शिक्षकों के कौशल विकास के लिए अनवरत प्रयास करता रहेगा तथा इसमें आगे भी कार्यक्रम होते रहेंगे। शिक्षा विभाग की ही प्रोफेसर संतोष अरोड़ा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा उसे पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सभी अतिथियों तथा मुख्य वक्ता को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम में 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



कुलपति और शिक्षकों ने नए शिक्षा नीति का मांगवा मांगवा

नई शिक्षा नीति में शिक्षकों ने समझा अपना दायित्व

जासं, बरेली: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के टीचर्स रीस्किलिंग सेल की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद मियां साहब ने

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य को समझाया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रोफेसर नलिनी श्रीवास्तव ने टीचर्स रीस्किलिंग सेल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसमें 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



TEACHERS' RESKILLING CELL (TRC) M.J.P. ROHILKHAND UNIVERSITY

Bareilly, U.P.

One Day National Webinar

on

NEP 2020: SKILL DEVELOPMENT IN HIGHER EDUCATION

Date: 05/10/2021

Time: 3:45 PM



Patron

Prof. K.P. Singh
Vice-Chancellor, MJPRU



Chief Guest

Prof. V.S. Mehrotra
PSSCIVE, NCERT

Organising Team



Prof. Nalini Srivastava
Coordinator-TRC
Organizing Secretary
Dean, Faculty of Education and Allied
Sciences



Prof. Santosh Arora
Professor
Department of Education



Dr. Tarun Rashtriya
Associate Professor
Department of Education



Dr. Kirti Prajapati
Assistant Professor
Department of Education



Dr. Meenakshi Dwivedi
Assistant Professor
Department of Education

Link- <https://zoom.us/j/95856585773?pwd=QWhtwZXVlN3JEU3Jkam1nS0tHbHFTdz09>

REC



NEP 2020: Recommendations for Higher Education

- A National Higher Education Qualification Framework (NHEQF)** will be formulated by the General Education Council and it shall be in sync with the National Skills Qualifications Framework (NSQF) to ease the integration of vocational education into higher education.
- Multi-disciplinary approach and research:** 4-year undergraduate degree with research
- Flexibility:** multiple exit options – students can get qualification by studying for 1 year, 2 years, 3 years or 4 years. A student will be awarded a Diploma for 1 year, Advanced Diploma for 2-year, Bachelor's Degree for the 3-year course as well as a 4-year course.
- Academic Bank of Credit (ABC)** will be available to digitally store the credit.
- Focus on research,** by adding 4th year to the 'degree with research' in graduation.
- Master's degree of 1-year.** For students completing 4 years of undergraduate degree programme with research, there will be an option of a 1-year master's degree.
- Master's degree program of 2-year,** where the 2nd year will entirely focus on research.
- Integrated UG and PG degree of 5-year** will continue.
- Discontinuation of the MPhil programme.**



Vinay Swarup Mehrotra's screen



REC



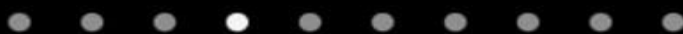
● REC

kirti prajapati

Santosh Arora

🔇 Upvan Kr.

🔇 Dr.Meenakshi Dwivedi





zoom_0.mp4

